



तालाब की पार टूटने से गांव में घुसा पानी, अनाज और सामान बहा

नवभारत न्यूज शिवपुरी, 14 जुलाई। ग्राम पंचायत कुंआरपुर में रविवार देर रात तालाब की पार फूट जाने से गांव में बाढ़ जैसे हालात बन गए। रात करीब डेढ़ बजे अचानक गांव में पानी घुसा आया, जिससे कई घरों में रखा अनाज और अन्य

है कि किसी ने जान-बूझकर रात के अंधेरे में तालाब की पार फोड़ी है। घटना की सूचना प्रशासन को भी दे दी गई है। ग्रामीणों ने नुकसान की भरपाई की मांग की है और मामले की जांच कराते की मांग भी उठाई है। फिलहाल गांव में पानी तो उतर चुका है, लेकिन

लोगों के घरों पर इसका असर साफ देखा जा सकता है। **अटल सागर मंडीखेड़ा बांध के 6 गेट खुले :** लगातार हो रही बारिश से अटल सागर मंडीखेड़ा बांध जलस्तर तेजी से बढ़ा है। इसी के चलते सोमवार सुबह साढ़े 6 बजे अटल सागर मंडीखेड़ा बांध

के 6 गेट खोल दिए गए हैं। बांध से करीब 1 हजार 500 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। इससे पहले रविवार रात 8 बजे 4 गेट खोलकर 500 क्यूमेक पानी छोड़ा गया था, लेकिन भारी बारिश के चलते सोमवार सुबह दो और गेट खोलने पड़े।

इधर रविवार रात बदरवास कस्बे के बाराई रोड पर बीटी स्कूल के पास बने रपटे को पार करते वक्त स्कूटी सवार तीन लोग बह गए। इनमें मरियम अकेडमी स्कूल के शिक्षक हरिप्रसाद निवासी केरल, गुना निवासी गणेश और प्राइवेट डॉक्टर वीरसिंह यादव

शामिल थे। गनीमत रही कि ग्रामीणों की मदद से तीनों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। **लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित, लोगों के घरों-अंडरपास में भरा पानी :** बारिश से रन्नीद क्षेत्र में भी जनजीवन प्रभावित हुआ है। यहां कई लोगों के घरों में पानी भर गया। रन्नीद के कल्ला कुशवाह के घर में पानी घुसने से नुकसान भी हुआ है। वहीं, शिवपुरी से होकर गुजरने वाली गुना-इटावा रेलवे लाइन पर बने अंडरपास ब्रिज लोगों के लिए मुसीबत बन गए हैं। लगातार बारिश के चलते इन अंडरपास में पानी भर गया है, जिससे कई स्थानों पर आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। कोलारस अनुविभाग का उकावल अंडरपास ब्रिज बारिश के कारण लंबालब भर गया है, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने बारिश के दौरान लोगों से सतर्क रहने और जलभराव वाले क्षेत्रों से बचने की अपील की है।

आरोपी की माँ बोली- बेटे को झूठा फंसाया गया है

नवभारत न्यूज शिवपुरी, 14 जुलाई। कोलारस क्षेत्र में हुई एक व्यक्ति की मौत के मामले में नया मोड़ आया है। सोमवार को आरोपी विनोद जाटव की माँ कुसुम जाटव ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर बेटे को झूठा फंसाए जाने की बात कही। कुसुम के मुताबिक अनिल जाटव पर पहले से ही बिजली तार चोरी के 8 मामले दर्ज हैं। 17 जुलाई को अनिल गोरा टीला में 11 केवी के बिजली खंभे पर तार काटने के दौरान करंट लगने से घायल हो गया। उसके साथी रामपाल लोधी और बृजेंद्र लोधी उसे मेडिकल कॉलेज ले गए। अगले दिन अनिल की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि विनोद कोलारस में बिल्डिंग रिपेयरिंग का काम करता है। तीन-चार साल पहले अनिल ने उसकी दुकान पर काम किया था। घटना के बाद रामपाल ने विनोद को फोन कर सूचना दी। विनोद ने अनिल के परिवार को जानकारी दी। माँ कुसुम का आरोप है कि अनिल के परिजन और एक संगठन के पदाधिकारी 3 लाख रुपए मांग रहे थे। रकम नहीं मिलने पर विनोद का नाम एफआईआर में जोड़ दिया गया। उन्होंने विनोद के मोबाइल की सीडीआर रिपोर्ट और लोकेशन की जांच की मांग की है। साथ ही जांच पूरी होने तक विनोद की गिरफ्तारी रोकने की अपील की।

जान-बूझकर तालाब की पार फोड़ने का आरोप

सामान पानी में बह गया। एक ग्रामीण की बाइक भी पानी के तेज बहाव में बह गई। गांव के रहने वाले गोपाल गोस्वामी ने बताया कि रात को लोग गहरी नींद में थे, तभी अचानक घरों में पानी घुसा आया। ग्रामीण जब बाहर निकले तो चारों ओर पानी ही पानी था। जब लोग तालाब की ओर पहुंचे, तो उन्हें पता चला कि तालाब की पार टूट चुकी है और वहीं से पानी गांव में घुसा है। ग्रामीणों ने अज्ञात लोगों पर साजिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आशंका जताई

उफनती महुअर नदी को पार कर सुडेश्वर महादेव मंदिर पर पूजा-अर्चना करने पहुंचे श्रद्धालु

फोटो, 14 शिव 3 सावन के पहले सोमवार को करैरा जनपद की सिरसौद पंचायत में स्थित प्राचीन सुडेश्वर महादेव मंदिर तक पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए खतरा बना हुआ है।



श्रद्धालु मंदिर पहुंचने के लिए उफनती महुअर नदी और डूबे हुए रास्तों को पार कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। सिरसौद पंचायत से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित नावली डेम के दो गेट शनिवार से खोले जा चुके हैं।

इससे महुअर नदी में पानी का बहाव तेज हो गया है। वहीं, सिरसौद से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित सुडेश्वर

और मंदिर तक जाने वाला रास्ता पूरी तरह जलमग्न हो चुका है। इसके बावजूद आज सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु डूबे हुए रास्तों को पार कर मंदिर तक पहुंच रहे हैं। लोग घुटनों से लेकर कमर तक पानी में चलकर पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं, जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। हैरानी की बात यह है कि मंदिर तक सुरक्षित पहुंच के लिए न तो कोई नाव, न रस्सी, न ही कोई वेतावनी बोर्ड या पुलिस की व्यवस्था की गई है।

महादेव मंदिर नदी के बीच टापू पर बना है। मंदिर तक पहुंचने के लिए एक पुलिया बनी है, लेकिन डेम से पानी छोड़े जाने के कारण पुलिया



परमार्थ सेवा समिति की महिला कार्यकारिणी का गठन

नवभारत न्यूज शिवपुरी, 14 जुलाई। बीते रोज रविवार को वार्षिक आमसभा में सर्व सम्मति से वर्ष 2025-26 की

के प्रदेशाध्यक्ष राकेश गर्ग टिल्लू एवं समिति के प्रदेश संयोजक संदीप गुप्ता की सहमति से इन नामों की घोषणा की गई। महिला संयोजक श्रीमती अंजली गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती निधि गर्ग, उपाध्यक्ष सपना गोयल, महामंत्री रेखा अग्रवाल, सहमंत्री संगीता प्रधान, कोषाध्यक्ष प्रीति बंसल, मीडिया प्रभारी अंकिता वैश्य, प्रचार मंत्री कामना गुप्ता शामिल हैं। वहीं महिला कार्यकारिणी में जिन सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई

उसमें प्रमुख रूप से श्रीमती रूबी गुप्ता, 'यति गुप्ता, नम्रता गुप्ता, राधा जैन, ममता जैन, शिखा जैन, मनीषा बंसल, गौरी बंसल, संगीता गुप्ता, सुनीता बंसल, मधु अग्रवाल एवं ललिता गोयल शामिल हैं। नवीन पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर एक पूल पार्टी का आयोजन भी किया गया। समिति की ओर से 20 जुलाई को बाबा गोरखनाथ मंदिर पर पौरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

मध्यदेशीय अग्रवाल समाज के द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती को लेकर समाज की बैठक आयोजित

मनाई जाएगी। इस बैठक में विधायक देवेन्द्र जैन भी शामिल हुए। महाराजा अग्रसेन जयंती के भव्य आयोजन को लेकर रविवार को स्थानीय मध्यदेशीय अग्रवाल धर्मशाला परिसर समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता



मध्यदेशीय अग्रवाल समाज अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता (तिथरी) के द्वारा की गई। इस दौरान समाज की बैठक में सर्वानुमति से समाज के पूर्व अध्यक्ष व वार्ड क्र.37 से पार्षद गौरव सिंघल को महाराजा अग्रसेन जयंती के संयोजक के रूप में मनोनीत किया गया। इसके साथ ही जयंती महोत्सव के लिए चुनाव अधिकारी के रूप में विष्णु गुप्ता को चुना गया, साथ ही

अग्रसेन भवन के निर्माण के लिए भूमि चयन हेतु जिम्मेदारी के लिए भगवती अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई जो समस्त समाजजनों से अग्रसेन भूमि में भूखंड के लिए राशि बुकिंग करेंगे और महाराजा अग्रसेन जयंती कोषाध्यक्ष के लिए घनश्याम प्रधान का मनोनयन किया गया। इस अवसर पर अग्रसेन भवन में भूखंड क्रय करने को लेकर

समाज में उत्साह नजर आया और मौके पर ही बैठक में समाज बंधुओं ने अपनी-अपनी क्षमता अनुसार 12 लाख रुपए की राशि घोषणा की। इसके अलावा अग्रसेन जयंती महोत्सव के लिए इन मनोनयन पर समस्त समाज में हर्ष की लहर व्याप्त रही और सभी समाज जनो ने नव नियुक्त अग्रसेन जयंती संयोजक बने गौरव सिंघल व अन्य जिम्मेदारी वाले समाज बंधुजनों का माल्यार्पण करते हुए स्वागत किया गया। अपने इस मनोनयन के प्रति गौरव सिंघल ने समाजजनों के प्रति और मध्यदेशीय अग्रवाल समाज की कार्यकारिणी के प्रति आभार प्रकट किया और विश्वास दिलाया कि इस वर्ष महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर अलग तरह के अनेकों रचनात्मक और सर्जनात्मक सांस्कृतिक कार्यक्रमों

का आयोजन किया जाएगा जिसमें समस्त समाजजनो की भागीदारी रहेगी और महाराजा अग्रसेन जयंती का महामहोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता तिथरी एवं महामंत्री विकास गोयल के द्वारा भी जयंती महोत्सव को लेकर समाज के बीच अपने विचार व्यक्त किए और जयंती महोत्सव संयोजक गौरव सिंघल का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। जयंती महोत्सव को लेकर आयोजित बैठक में कार्यकारिणी के साथ साथ बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। इस बैठक का संचालन एवं आभार महामंत्री विकास गोयल के द्वारा व्यक्त किया गया। बैठक आपन उपरान्त सभी ने खीर मालपुआ के साथ स्नेहभोज में भाग लिया।

ग्वालियर बायपास पर मोबाइल कोर्ट ने 31 वाहनों पर की चालानी कार्रवाई

नवभारत न्यूज शिवपुरी, 14 जुलाई। वाहनों की चैकिंग के लिए ग्वालियर बायपास पर माननीय न्यायालय शिवपुरी द्वारा मोबाइल कोर्ट लगाया गया। यातायात पुलिस द्वारा वाहन चैकिंग कर नियमों का उलंघन करने पर कुल 31 वाहनों पर कार्यवाही की गई। यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये सतत प्रयास

किये जा रहे हैं, जिसमें लोगों को कैम्पेन एवं जागरूकता रैलियों के माध्यम से जागरूक किया गया है। देखने में आता है कि लोग दुर्घटनाओं का शिकार होने के बाद भी यातायात नियमों का पालन नहीं करते हैं एवं अपनी व लोगों की जान को जोखिम में डालते हैं। लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए 13 जुलाई को ग्वालियर बायपास शिवपुरी पर माननीय न्यायालय शिवपुरी के द्वारा



मोबाइल कोर्ट लगाया गया। मोबाइल कोर्ट में सुश्री रिचा सिंह राजावत जेएमएफसी एवं निहारिका

सिंह व्यास जेएमएफसी उपस्थित रहीं। माननीय न्यायालय द्वारा ग्वालियर बायपास पर यातायात पुलिस शिवपुरी के माध्यम से वाहन चैकिंग कराई गयी, जिसमें स्थल पर ही बिना हेल्मेट, तीन सवारी, ओवरलोडिंग, बिना नंबर प्लेट 23 वाहनों पर कार्रवाई कर 14800 रुपए समन शुल्क वसूला गया एवं 8 वाहन जिन्होंने जुर्माना नहीं करवाया उन्हें जप्त कर माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। जिसमें एक 16

साल का नाबालिग बच्चा कुलदीप रावत पुत्र अशोक रावत निवासी नमो नगर भी है जो तीन सवारी बिठाकर वाहन चला रहा था उसका भी वाहन जप्त किया गया है एवं न्यायालय में पेश किया जा रहा है। इस चैकिंग के दौरान यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव, सूबेदार नीतू अवस्थी, सूबेदार प्रियंका घोष, यातायात थाने का बल एवं कोतवाली थाने का बल उपस्थित रखा।

कैररा, 14 जुलाई। वर्ष 2024 की तुलना में इस वर्ष अधिक वर्षा, नरवर और कैररा में सर्वाधिक हुई है। कैररा। 1 जून से अब तक जिले में औसत 631.28 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी है। वर्ष 2024 में इसी अवधि में 302.60 मि.मी. वर्षा हुई थी। नरवर - 817 मि.मी., कैररा - 724.40 मि.मी., खनियांधाना 692 मि.मी. बदरवास 644 मि.मी., पिछौर - 629 मि.मी., पोहरी 588 मि.मी., बैराड़ 549 मि.मी., कोलारस 528.50 मि.मी., शिवपुरी 509.60 मि.मी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन



नवभारत न्यूज शिवपुरी, 14 जुलाई। सोमवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट के सामने धरना दिया और नाराजगी जताई। बाद में उन्होंने जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री

के नाम 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। संघ की जिलाध्यक्ष ने बताया कि वे कई दशकों से महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत सेवाएं दे रही हैं। शिशु-मातृ मृत्यु दर में कमी, पोषण आहार वितरण, पूर्व शिक्षा जैसे कार्यों की जिम्मेदारी निभा

रही हैं, लेकिन इसके बदले उन्हें न तो तकनीकी संसाधन मिल रहे और न ही सम्मानजनक सुविधाएं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि काम का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐप और ऑनलाइन कार्यों से फील्ड वर्क प्रभावित हो रहा है। टेक्नोलॉजी के सही उपयोग न होने से उनका प्रदर्शन खराब दिखाया जा रहा है। इससे उनमें मानसिक तनाव बढ़ रहा है।

10 प्रमुख मांगें

- सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियमित किया जाए।
- वर्ग निर्धारण कर पदेनन्तिकी व्यवस्था की जाए।
- सेवा समाप्ति पर न्यूनतम पेंशन दी जाए।
- 0 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाली को बिना परीक्षा पर्यवेक्षक बनाया जाए।
- बीएलओ या चुनावी कार्यों में आंगनबाड़ी स्टाफ को न लगाया जाए।
- शिक्षक भर्ती जैसी परीक्षाओं में अतिरिक्त अंक का प्रावधान हो।
- 8 वर्षों से एक जैसा दिया जा रहा टीपचअर बदला जाए और पोषणयुक्त सामग्री दी जाए।
- पोषण ट्रेकर ऐप की तकनीकी समस्याएं दूर की जाएं, फेसकेचर की अनिवार्यता हटाई जाए या टीक की जाए।
- मोबाइल में मेमोरी और वॉल्यूम की समस्या हल की जाए, नए मोबाइल के लिए राशि खाते में दी जाए।
- सेवा के दौरान मृत्यु पर परिजनों को सेवाविनिवृत्ति लाभ मिले।

सिकंदरा बैरियर पर विभाग का नहीं है कंट्रोल

राहत खान कैररा, 14 जुलाई। शिवपुरी जिले के सिकंदरा परिवहन चेकपोस्ट पर ट्रक चालकों के लिए हालात बुरे से बुरा हो गए हैं। चेकपोस्ट प्रभारी ने इस स्थान को नियमों की आड़ में डकेती का केंद्र बना लिया है। यहाँ दिन-रात



गई है। यह जाम न केवल चालकों, बल्कि यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए भी भारी मुसीबत का कारण बन रहा है, जिससे हाइवे पर हमेशा अव्यवस्था बनी रहती है। मध्य प्रदेश की सरकार ने भ्रष्टाचार और बदनामी के कारण पहले परिवहन चेकपोस्टों को बंद करने की घोषणा की थी। इस निर्णय से ट्रक चालकों को राहत की उम्मीद जगी थी, क्योंकि चेकपोस्टों पर होने वाली अवैध उगाही से वे पहले ही परेशान थे।

लेकिन सिकंदरा चेकपोस्ट ने सरकार के आदेशों की धज्जियाँ उड़ा दी हैं। बेलगाम हरकतों ने स्थिति को और भयावह कर दिया है। चालक बताते हैं कि यह अवैध वसूली उनकी मेहनत की कमाई छीन रही है। कई चालकों ने खुलासा किया कि बिरोध करने पर उन्हें मारपीट की धमकी दी जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गुर्गे बिना किसी डर के हाइवे पर आतंक मचाए हुए हैं। यह चेकपोस्ट अब नियमों को लागू करने का केंद्र नहीं, बल्कि लूट का गढ़ बन चुका है। ट्रक चालकों और स्थानीय लोगों में इस लूटतंत्र के खिलाफ गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि सिकंदरा चेकपोस्ट पर हो रही यह उगाही न केवल परिवहन व्यवसाय को चोपट कर रही है, बल्कि मध्य प्रदेश सरकार की साख को भी बढ़ा लगा रही है। चालकों का आरोप है कि सरकार के चेकपोस्ट बंद करने के फैसले के बावजूद सिकंदरा में यह लूट जारी रहना जिला प्रशासन और परिवहन विभाग की विफलता को दर्शाता है। कुछ चालकों ने बताया कि इस अवैध वसूली के कारण वे अपनी आजीविका चलाने में असमर्थ हो रहे हैं, क्योंकि उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा इन गुर्गों की जेब में जा रहा है। यह स्थिति परिवहन उद्योग के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है।